खबर संक्षेप

बिना लाइसेंस खाद-बीज बेचने पर 3 दुकान संचालकों पर एफआईआर दर्ज

मण्डला। मंडला जिले के घुघरी विकासखंड में बिना वैध लाइसेंस के खाद और बीज का भंडारण और विक्रय करने पर ग्राम सलवाह निवासी गौरी शंकर अग्निहोत्री, जितेंद्र ट्रेडर्स तथा श्रीमती सावित्रीबाई चौधरी पर एफआईआर दर्ज की गई है। एसडीओ कृषि मधु अली ने बताया कि औचक निरीक्षण के दौरान अनियमितता पाई गई थी, जिसके बाद इन व्यक्तियों पर आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। प्राप्त जानकारी के 27 जून 2025 को मधु अली, अनुविभागीय कृषि अधिकारी मंडला और उर्वरक/बीज/कीटनाशक निरीक्षक, थाना घुघरी के संयुक्त भमण के दौरान गौरीशंकर अग्निहोत्री, जितेंद्र ट्रेडर्स तथा श्रीमती सावित्रीबाई चौधरी गल्ला व्यापारी द्वारा बिना उर्वरक और बीज लाइसेंस के उर्वरकों और बीज का अवैध भंडारण और विक्रय किया जा रहा था। उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 की धारा 7 और बीज नियंत्रण आदेश 1983 की धारा 3 का स्पष्ट उल्लंघन पाया गया है। थाना प्रभारी घुघरी ने आरोपी गौरीशंकर अग्निहोत्री, जितेंद्र ट्रेडर्स तथा श्रीमती सावित्रीबाई चौधरी निवासी सलवाह के विरुद्ध धारा 3/7 आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है।

ग्राम घाघा में पोल ठीक कर विद्युत व्यवस्था सुचारू की गई

मण्डला। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने मंडला विकासखण्ड के ग्राम घाघा में विद्युत पोल की समस्या की जानकारी संज्ञान में आने पर विद्युत वितरण कंपनी के संबंधित अधिकारियों को तत्काल सुधार कार्य करने के लिए निर्देशित किया था। विद्युत वितरण कंपनी के कार्यपालन अभियंता श्री इमरान खान ने बताया कि घाघा ग्राम के एक किसान के खेत पर लगा विद्युत मेन लाइन का पोल तिरछा हो गया था। जानकारी मिलते ही तत्काल विद्युत विभाग की टीम मौके पर रवाना की गई। संबंधित पोल को व्यवस्थित कर दिया गया है एवं विद्युत व्यवस्था पुनः सुचारू कर दी गई है। कृषक को अब कृषि कार्य करने में कोई समस्या नहीं आएगी।

सहायक संचालक जनसंपर्क राहुल वासनिक ने किया पदभार ग्रहण

मण्डला। जिला जनसंपर्क कार्यालय मंडला में राहुल वासनिक सहायक संचालक ने अपना पदभार शुक्रवार को ग्रहण कर लिया। विदित है कि श्री वासनिक का स्थानांतरण जिला जनसंपर्क कार्यालय नरसिंहपुर से जिला मंडला किया गया है। सहायक संचालक श्री वासनिक इससे पूर्व संभागीय जनसंपर्क कार्यालय सागर, नरसिंहपुर जिले में अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

श्री सिद्धघाट रेवा दरबार से निकली महाप्रभु जगन्नाथ स्वामी की रथयात्रा

नगर भ्रमण पर निकले भगवान जगन्नाथ

*** धर्मप्रेमियों ने की पुष्पवर्षा हुआ नगर में जगह-जगह स्वागत।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

जगन्नाथ महाप्रभु को स्वस्थ्य होंने के बाद शुक्रवार को श्री सिद्धघाट रेवा दरबार महिष्मति घाट में जगन्नाथ स्वामी की विधि-विधान से पूजन अर्चन की गई। भगवान को काजल लगाने के बाद फलों का भोग लगाया गया। जिसके पश्चात महाप्रभु जगन्नाथ स्वामी की रथयात्रा नगर में निकाली गई। रथयात्रा श्री सिद्धघाट रेवा दरबार से निकाली गई जो नेहरू स्मारक, स्टेट बैंक चौराहा, लालीपुर, बस स्टेण्ड, चिलमन चौक होते हुए पड़ाव पहुंची जहां पर रथ यात्रा का भव्य स्वागत किया गया यहां पर विकास लकी ट्रेवल्स के संचालक अनिल जायसवाल एवं विकास जायसवाल व परिजनों के द्वारा भगवान जगन्नाथ स्वामी पर पुष्पवर्षा करते हुए महाआरती की। इस दौरान भगवान जगन्नाथ स्वामी को खिचड़ा का भोग लगाते हुए भंडारा का आयोजन किया। विकास जायसवाल ने बताया कि वे हर वर्ष भगवान जगन्नाथ स्वामी की रथयात्रा का स्वागत करते हैं वर्ष 2017 से लगातार स्वागत करते आ रहे हैं। उन्हें विभिन्न प्रकार के भोग लगाते है उनकी महिमा और आर्शीवाद से कभी कोई वंचित नही रहा है। वरिष्ठ समाजसेवी ओमप्रकाश जायसवाल ने बताया कि रथ यात्रा का आध्यात्मिक संदेश अत्यंत गहन और प्रेरणादायक है। यह उत्सव दर्शाता है कि ईश्वर की कृपा सभी भक्तों के लिए समान रूप से उपलब्ध है चाहे वे किसी भी वर्ग या धर्म के हों। रथ यात्रा में भगवान का मंदिर से बाहर आना प्रतीक है कि वे अपने भक्तों के करीब हैं और उनकी भक्ति को स्वीकार करते हैं। रथ का खींचना जीवन की आध्यात्मिक यात्रा को दर्शाता है जो आत्मा को भौतिक बंधनों से मुक्त कर ईश्वर की ओर ले जाती है। लाखों भक्तों का एक साथ रथ खींचना सामूहिक भक्ति, एकता, और सहयोग की शक्ति को प्रकट करता है। यह उत्सव विनम्रता का पाठ पढ़ाता है। इसी मान्यता के साथ एक और कहानी जुड़ी है कहते हैं जब भगवान जगन्नाथ सुभद्रा को नगर घुमाने के लिए रथ यात्रा पर निकले तो रास्ते में ही उनकी मौसी के घर गुंडिचा भी गए और वहां 7 दिन ठहरे भी जिसके बाद से ही हर साल इस रथ यात्रा को निकालने की परंपरा शुरू हुई। सिद्ध घाट मां रेवा दरबार से जुड़े विंदी शर्मा ने बताया कि भगवान जगन्नाथ पद्म पुराण के मुताबिक भगवान जगन्नाथ की बहन सुभद्रा ने एक बार नगर देखने की इच्छा जताई थी। उस वक्त भगवान जगन्नाथ अपने भाई बलभद्र और अपनी लाडली बहन सुभद्रा को रथ पर बैठाकर नगर दिखाने के लिए निकल पड़ते हैं। इसका जिक्र ब्रह्म पुराण और नारद पुराण में भी है। मान्यताओं के अनुसार अपने मौसी घर में ठहरने के दौरान भगवान जगन्नाथ अपने भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ खूब पकवान खाते हैं और फिर वे बीमार पड़ जाते हैं इसके बाद उनका इलाज किया जाता है और फिर स्वस्थ होने के बाद अपने भक्तों को दर्शन देते हैं। वहीं यात्रा पड़ाव से वापस चिलमन चौक होते हुए उदयचौक, सिटी कोतवाली, स्टेट बैंक चौराहा, नेहरू स्मारक होते हुए वापस सिद्धघाट रेवा दरबार पहुंची जहां यात्रा का समापन किया गया। रथ यात्रा में साहू समाज के महिला पुरूष ने भी अपनी सहभागिता दर्ज कराई रथ यात्रा का नगर के अनेक स्थानों में स्वागत हुआ वहीं भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा, पत्रकार परिषद जिला अध्यक्ष नीरज अग्रवाल, समाजसेवी सुनील मिश्रा ने भी रथ यात्रा में सहभागिता दर्ज कराते हुए पूजन किया। इस दौरान आयोजित भंडारा में भाजपा जिला अध्यक्ष ने प्रसादी वितरण की। कार्यक्रम में किशोर रजक, उमाशंकर गुड्डू सिंधिया, रोहित बघेल, सचिन शर्मा, मूलचंद साहू, डॉ हरिओम नंदा, साहू समाज अध्यक्ष हरि साहू, मुकेश सोनी, सुधीर कांसकार, जनपद अध्यक्ष मंडला संतोष सोनू भलावी, आनंद सोनी, पारस असरानी, अनमोल अग्रवाल, आशीष चौरसिया, विजय अग्रवाल, विनोद पटैल, पूर्णिमा रजक, माया रजक, श्रीमति ज्योति जायसवाल, श्रीमति गीता साहू के साथ सैकड़ो की संख्या में भक्तगण उपस्थित रहे।

पुलिस लाइन मण्डला में हुआ साप्ताहिक परेड

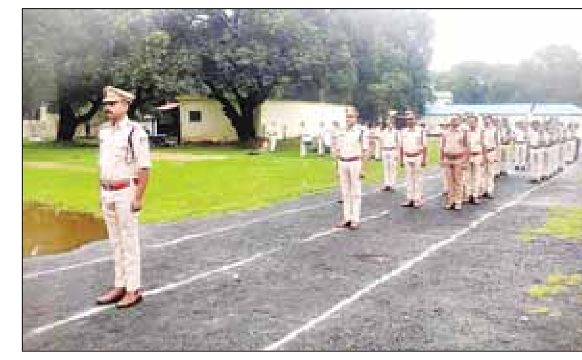

*** पुलिस सभागार में सेमिनार का हुआ आयोजन।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

दिनांक 27 जून 2025 को जिला पुलिस लाइन मण्डला स्थित परेड ग्राउंड में साप्ताहिक जनरल परेड का आयोजन हुआ। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक द्वारा परेड का निरीक्षण किया गया एवं उत्कृष्ट टर्नआउट वाले पुलिस कर्मियों की प्रशंसा की गई। परेड में पुलिस लाइन मण्डला के बल के साथ-साथ जिले एवं कार्यालयों से आए पुलिस बल के जवान भी उपस्थित रहे।

पुलिस सभागार में विशेष सत्र का आयोजन

परेड के पश्चात भारतीय वायु सेना, नागपुर से आई विशेषज्ञ टीम द्वारा मंडला पुलिस बल को एयर रडार सिस्टम, ड्रोन तकनीक, Digi Sky पोर्टल तथा विभिन्न जोन जैसे रेड जोन एवं अन्य नो-फ्लाइंग जोन से संबंधित विशेष जानकारी साझा की गई। प्रशिक्षण के दौरान बल को आपातकालीन स्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया, निगरानी, एवं तकनीकी दक्षता बढ़ाने हेतु आवश्यक जानकारी प्रदान किया गया।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक मण्डला, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मण्डला, रक्षित निरीक्षक, सुबेदार सहित लगभग 100 की संख्या मे बल उपस्थित रहे। यह प्रशिक्षण न केवल मण्डला पुलिस की तकनीकी क्षमताओं को मजबूती प्रदान करेगा, बल्कि भविष्य में सुरक्षा और निगरानी के उन्नत तरीकों को अपनाने की दिशा में भी एक सशक्त पहल है।

म.प्र. लोक सेवा पदोन्नति नियम 2025 अंतर्गत कार्यशाला का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

जिला योजना भवन में मध्यप्रदेश लोकसेवा पदोन्नति नियम 2025 के अंतर्गत कार्यशाला का आयोजन किया गया। सभी संबंधित अधिकारियों को पदोन्नति नियम 2025 की विस्तार से जानकारी दी गई एवं संबंधित जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया। अपर कलेक्टर श्री राजेन्द्र कुमार सिंह ने कार्यशाला में उपस्थित विभागीय अधिकारी, कर्मचारियों से चर्चा करते हुए कहा कि सभी विभाग ग्रेडेशन सूची शीघ्र तैयार करें। इस सूची को तैयार करने में आरक्षण के नियमों का पालन करें। साथ ही वरिष्ठता सूची के साथ-साथ अंतिम वार्षिक गोपनीय प्रतिवेदन भी आवश्यक रूप से तैयार रखें। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित अपने विभाग के 31 दिसंबर 2025 की स्थिति में रिक्त पदों की जानकारी तैयार करें, यदि कोई अधिकारी, कर्मचारी 30 नवंबर 2025 को सेवानिवृत्त होने वाले हैं तो उस पद को भी रिक्त पदों की सूची में शामिल करें। उन्होंने कहा कि विभागीय पदोन्नति समिति विभाग की वरिष्ठता सूची के आधार पर पदोन्नति का निर्णय लेगी। कार्यशाला में अपर कलेक्टर श्री अरविंद सिंह, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती क्षमा सराफ, जिला कोषालय अधिकारी श्री अखिलेश नेटी सहित विभागीय अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

विश्व एमएसएमई दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

मण्डला। जिला योजना भवन में 27 जून विश्व एमएसएमई दिवस के अवसर पर जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र की ओर से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रतलाम में आयोजित राज्य स्तरीय रीजनल इंडस्ट्री स्किल एण्ड एम्पलॉयमेंट कॉन्क्लेव (आरआईएसई) का सीधा प्रसारण देखा एवं सुना गया। इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष श्री विनोद कछवाहा ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार सूक्ष्म और लघु उद्योगों को प्रोत्साहित करने का लगातार प्रयास कर रही है। उद्योगों को किस प्रकार बढ़ावा मिले ? उद्योगपतियों को निवेश के लिए कैसे प्रोत्साहित किया जाए ? इस पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार तेजी से कार्य कर रही है। औद्योगिक विकास से प्रदेश की जीडीपी मजबूत होगी और देश प्रगति की ओर अग्रसर होगा। कार्यक्रम के दौरान औद्योगिक क्षेत्र उदयपुर और डोभी के औद्योगिक भूखंड के लीज पत्र चयनित उद्योगपतियों को वितरित किए गए। साथ ही स्वरोजगार योजना के लाभार्थियों को भी स्वीकृति पत्रों का वितरण किया गया। इस अवसर पर जनपद पंचायत मंडला अध्यक्ष श्री संतोष सोनू भलावी, कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा, सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांश कूमट सहित संबंधित उपस्थित थे।

नगरपालिका नहीं करवा पाई सफाई तो पार्षद ने खुद ही उठा लिया कचरा

*** पार्षद मोहित झरिया बने एक मिसाल।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/नैनपुर

मंडला जिले की एक जागरूक तहसील कहे जाने वाले नैनपुर नगर में हर समय कुछ नया देखने मिलता है। वर्तमान में बरसात का मौसम चल रहा है नगर में कई जगह कीचड़ हो जाता है देखा गया कि नगर के में मुख्य बाजार मंडला सिवनी रोड पर स्थित बग्गा मेडिकल के पीछे तरफ बहुत सारे कचरे का ढेर लगातार 2 दिन से पड़ा था जिसकी बदबू से आमजन परेशान हो रहे थे ओर वहां से निकलना नागरिकों का दुर्भर हो रहा था जिसके लिए अनेक बार सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों ने ग्रुप में डाला इसके बाद भी जिम्मेदार अधिकारियों ने संज्ञान नहीं लिया फिर नगर पालिका को सूचित करने के पश्चात भी नगर पालिका नैनपुर द्वारा कचरे को नहीं उठाया गया पार्षदों के द्वारा सूचना करने के पश्चात भी वह कचरा जस की तस पड़ा रहा यह सब देखते हुए वार्ड क्रमांक 13 के पार्षद मोहित झरिया ने स्वच्छता की मिसाल देते हुए दिनांक 27 जून 2025 शुक्रवार को दोपहर 01 बजे उस कचरे को स्वयं ही उठाना प्रारंभ कर दिया और अपने मित्रों के साथ कचरे को पूरा साफ सफाई कर बदबू से नगर वासियों को राहत दिलाई यह सब नगर पालिका परिषद नैनपुर की नाकामी को दर्शाती है की हर एक चीज उपलब्ध होने के पश्चात भी आज नगर में एक सम्माननीय पार्षद कचरा उठा रहा है नगर पालिका परिषद द्वारा यह कृत्य बहुत ही निंदनीय है नगर में जगह जगह नगर पालिका परिषद नैनपुर के भेदभाव के रूप में कार्य करने की जन चर्चा बनी रही।

बताया जा रहा है कि सफाई की बात को लेकर नगर पालिका द्वारा यह बोल कर कचरा नहीं उठाया जा रहा है कि वह क्षेत्र रेलवे का है विगत दिनों नगर पालिका द्वारा वार्ड क्रमांक 5, 6, 8, 13 रेलवे की भूमि पर जहां लाखों की लागत से ओपन जिम का निर्माण कराया गया तब किसी को नहीं दिखाई दिया कि यह क्षेत्र रेलवे का है सफाई के लिए रेलवे का क्षेत्र का बहाना बनाकर अपना पल्ला झाड़े।

इनका कहना है:-

दो दिनों से मुख्य बाजार के समीप कचरे के ढेर से बदबू आ रही थी। आमजन बदबू से परेशान हो रहे थे। नगर पालिका को बताने के बाद भी नगर पालिका ने कचरा नहीं उठवाया इसलिए खुद को ही सफाई करने आगे आना पड़ा।

-मोहित झरिया,
पार्षद वार्ड क्रमांक 13 नैनपुर

कार्यालय ग्राम पंचायत बिंझिया मण्डला

इश्तहार

ग्राम पंचायत बिंझिया मे मोबेलाईजर पद हेतु आवेदन आमंत्रित है। मासिक मानदेय 4000/- रूपये। उम्र 18 वर्ष से 40 वर्ष। शैक्षणिक योग्यता-हायर सेकेण्डरी, स्नातक, **DCA** अथवा **PGDCA**, अन्य योग्यता या अनुभव प्रमाण पत्र। ग्राम पंचायत बिंझिया का स्थाई निवासी, आधार कार्ड, वोटर कार्ड अनिवार्य। आवेदन तिथि 27/06/2025 से 05/07/2025 तक। अन्य समस्त जानकारी के लिये ग्राम पंचायत बिंझिया कार्यालय में सम्पर्क करें।

सरपंच
ग्राम पंचायत बिंझिया जनपद मण्डला, मो.नं. 7974998397

आयोजन | कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत ने किया शुभारंभ।

मण्डला में आयोजित हुआ पहला आम उत्सव

*** एक दर्जन से अधिक प्रजाति के आमों का प्रदर्शन।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

गोंडी पब्लिक ट्रस्ट के सभागार में मेंगो फेस्टिवल का आयोजन किया गया। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा एवं सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांश कूमट ने फेस्टिवल का शुभारंभ किया। इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि मंडला में आयोजित मेंगो फेस्टिवल एक अभिनव पहल है। मुझे विश्वास है कि इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एण्ड कल्चरल हेरीटेज द्वारा आयोजित यह पहला मेंगो फेस्टिवल आने वाले वर्षों में परंपरागत रूप से आयोजित किया जाता रहेगा। आम फलों का राजा है। इस क्षेत्र में लोग आम के शौकीन हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में मेंगो फेस्टिवल का आयोजन मई के माह में कराये जाने का प्रयास करें। साथ ही इस फेस्टिवल का व्यापक प्रचार-प्रसार भी करें जिससे फल उत्पादक कृषक और फल प्रेमी इस अभिनव प्रक्रिया का हिस्सा बन सकें और यहां आकर विभिन्न फलों के किस्मों का अवलोकन करें।

सीईओ जिला पंचायत ने मेंगो फेस्टिवल को एक अभिनव आयोजन बताते हुए कहा कि मंडला में इस तरह का आयोजन देखकर अच्छा लगा कि इनटेक फलों की ऐसी प्रजातियों को संरक्षित करने की दिशा में कार्य कर रहा है। मेंगो फेस्टिवल में अधिकारी द्वय ने जिले के किसानों द्वारा उत्पादित आम की विभिन्न किस्मों के फलों का अवलोकन किया। फेस्टिवल के दौरान तोतापरी, अलफांसो, दशहरी, लंगड़ा, आम्रपाली, रिलायंस, नरदाल, सुंदरजा, हिमसागर, चौसा, मालदा, मल्लिका आदि प्रजातियों के आम के फलों के स्टॉल लगाए गए थे। मेंगो फेस्टिवल में प्रगतिशील फल उत्पादक कृषकों को सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर प्रगतिशील कृषक अरविंद अग्रवाल, अरूण अग्रवाल, श्रीमती मृदुला कालपीवार, इनटेक के स्वयंसेवी तथा उद्यानिकी विभाग के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

शहीदाने करबला की याद में मनाया जा रहा मोहर्रम पर्व, 10 रोज़ा महफ़िल ए जिक्र ए हुसैन जामा मस्जिद में

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। इस्लाम धर्म का मोहर्रम पर्व जो शहीदाने करबला की याद में मनाया जाता है उसकी शुरूआत हो चुकी है। बताया जाता है कि चांद दिखने के बाद मोहर्रम की पहली तारीख से ही शहीदाने करबला की शान में मस्जिदों में बयान तकरीर शुरू हो गई है व रोजाना सुबह के वक्त कुरान ख्वानी एवं दिन में महिलाओं की मजलिस मिलाद होने लगी है। इस दौरान करबला का जिक्र किया जा रहा है। मोहर्रम पर शरबत सबील व लंगर के आयोजन इमाम आली मकाम की शान होते है। जानकारी के अनुसार नगर में आलीशान परचम कुसाई अनेको स्थानों पर की जाती है। मोहर्रम की 4 तारीख को शहर के शक्तिचौक से शाम 6 बजे से परचम जुलूस निकलेगा जो शिवालय चौक, गंज स्कूल, पुरानी गल्ला मंडी, नया बस स्टैंड से शास्त्री वार्ड गणेश मंदिर होकर झंडा चौक से वापस शक्तिचौक पहुंचेगा। यहां पर अब्बास अलमदार की शान में 51 फिट ऊँचा झंडा परचम हसनी हुसैनी सोसायटी द्वारा लगाया जाएगा। मोहर्रम की 5 तारीख को सभी इमामबाडो की टिपारिया शहर में गश्त करेगी। ताजिये बनने का सिलसिला भी शुरू हो गया है। वही मोहर्रम की 7 तारीख को नया बस स्टैंड काजी मोहल्ला से कुर्सी ताजिये आलम का जुलूस निकलेगा जो चौकी, चावड़ी,महावीर भवन, शक्ति चौक, शिवालय चौक, झंडाचौक से वापस नया बस स्टैंड पहुंचकर बाबड़ी दरगाह के पास समाप्त होगा। इमामबाड़ों व दरगाहो पर जायरीनों का मजमा लगने लगा है बड़ेवली इमामबाड़े में मोहर्रम की रौनक नजर आने लगी है। मुस्लिम समाज ने नगर पालिका परिषद से मोहर्रम पर्व पर इमामबाड़ों, दरगाहो के पास हेलोजिन लाइट व समुचित साफ सफाई की मांग की है। वही बताया जाता है कि मोहर्रम पर्व की पहली तारीख से हर साल की तरह इस साल भी जामा मस्जिद में 10 रोज़ा महफ़िल ए जिक्र ए हुसैन का आयोजन 27 जून से ईशा की नमाज के बाद शुरू हो गया है। नगर के जामा मस्जिद के पेश इमाम हाफिज जुबेर आलम साहब दस रोजा अजीमुश्शान महफ़लि में शहीदाने करबला पर बयान किया जा रहा है। वही जामा मस्जिद कमेटी के अध्यक्ष अबरार खान ने सभी हाजरात से प्रोग्राम में शिरकत करने की गुजारिश की गई है।

निर्मल ग्रामों की बर्बादी, कमिशन की आड़ में आंखे बंद किये हुए अधिकारी?

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। देश को विकास और समृद्धि की ओर अग्रसर करने के लिए चलाई जा रही योजनाओं के तहत गांव को साफ सुधरा और हरा भरा बनाने की कवायद में है और इसके लिए शासन प्रशासन निर्मल ग्राम बनाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है, इसके लिए समय समय पर गांव को चयानित कर वहां पर लाखो करोड़ो रूपये की राशि खर्च की जा रही है जिसमें गांव के प्रत्येक परिवारो के घरो में शौचालय बनाये गये है। वही दूसरी ओर गांव में पक्की नालियां सड़क और कुडादान व जल स्त्रोतो को साफ सुधरा बनाया जाना है और इसकी देख रेख के लिए जिला स्तर पर हर ब्लाक में अलग से कर्मचारी भी नियुक्त किये गये है जिन्हे वेतन के रूप में मोटी रकम और भ्रमण करने के लिए वाहन उपलब्ध कराये गये है। लेकिन ये अधिकारी कर्मचारी आफिसों में बैठे बैठे ही योजना का संचालन कर रहे है और इसका परिणाम यह देखने में आ रहा है कि गांव में बनायी गई सड़के एक चंद वर्षो में ही पूरी तरह उखड़ चुकी है, वही पूर्व के समय में गांवों में बनाये गये शौचालय की स्थिति भी इसी प्रकार से देखने मिल रही है कि वह कचरो एवं कूडादानो में तब्दील हो गये है तो हजारों रूपया की लागत से बनाये गये कचरा घर टूट गये है, जल स्त्रोतो के समीप हरी घासे एवं दलदल निर्मित हो गयी है, इसके बाबजूद शासन द्वारा इन निर्मल ग्रामो को पुरूस्कार द्वारा नवाजा गया है, जिसमें लाखो रूपये की इनाम राशि को भी सरपंच सचिवो ने डकार ली? यदि इन गांवों की सच्चाई पर गौर किया जावे तो अनेक पंचायते तो इस प्रकार की जहां पर लोग आज भी शौच के लिए बाहर जाते हुए नजर आते है।

जल वर्षा के बीच जगह जगह लोगों ने भगवान की पूजन करते हुये लिया आर्शीवाद

धूमधाम से निकली भगवान जगदीश जी की रथ यात्रा

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

भगवान जगन्नाथ जगत के नाथ है और वह वर्ष में एक बार उनके रथयात्रा महोत्सव के दिन अपना सिंहासन छोड़ते हुए वह भक्तों के बीच आकर उनकी मनोकामनाएं पूरी करते है। धर्म शस्त्रों में इस बात का उल्लेख है कि जो व्यक्ति भगवान जगन्नाथ के रथ के रस्से को पकड़ कर एक कदम भी आगे चलता है उसे एक अश्व मेघ यज्ञ करने के बरबार का पुण्य प्राप्त होता है और जो भक्त भगवान जगन्नाथ से रथ यात्रा महोत्सव का साक्षी बनता है उसे अपने जीवन की समाप्ति पर भगवान धाम की प्राप्ति होती है। इन मान्यताओं के आधार पर शहर के प्राचीन जगदीश मंदिर से भगवान जगन्नाथ जी की हर वर्ष भव्य रथयात्रा शोभायात्रा निकालने की परम्परा चली आ रही है उसी के चलते शुक्रवार को इस वर्ष भी बड़ी धूमधाम के साथ निकाली गई। क्योंकि जीव जगत के सृष्टा भगवान जगन्नाथ स्वामी की रथयात्रा इसी परम्परा की कड़ी में आषाढ़ शुक्ल पक्ष की द्वितीया पर कल शुक्रवार को नगर के जगदीश मंदिर से डी जे साउंड सहित ढोल ढमाकों की धूमधाम व लतहराती धर्म ध्वजाओं के साथ संत व महात्माओं के सानिध्य में निकाली गई जिसमें नगर के प्रथम नागरिक नपा अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा, समाज सेवी रविशेखर जायसवाल, मुकेश बसेड़िया, मुरारी व्यास, सुरेन्द्र द्विवेदी व अन्य लोगों ने रथ को खीचते हुये शुरूआत की गई। इस तरह भगवान जगन्नाथ जी की इस रथयात्रा के दौरान शहर में श्रद्वा, भक्ति के अद्भुत नजारे देखने मिले। वही दूसरी ओर शहर के श्रद्वालु पुरूषों, महिलाओं के साथ युवाओं तथा बच्चों ने भगवान जगन्नाथ का पूजन, दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित किया और भगवान जगन्नाथ का जयघोष किया। वही रथ के साथ चल रहे प्रसादी वितरण में जगन्नाथ के भात की प्रसादी को आदर के साथ ग्रहण की गई। क्योंकि भगवान जगदीश जी की भांत की कहावत है कि जगन्नाथ का भांत जगत पसारे हाथ के चलते नगरवासी भगवान का भांत रूपी प्रसादी लेने के लिये भगवान के सामने भीड़ लगाते हुये देखने मिली। क्योंकि रथ यात्रा को दौरान वितरण होने वाली भात की इस प्रसादी को लेकर लोग अपने घर के रसोई भंडारे में मिलता है तो वह कभी खाली नही होता है। इसी मान्यता के चलते लोग भगवान की रथ यात्रा के दौरान वितरण होने वाली भगवान की आर्शीवाद स्वरूप प्रसादी जगननाथ का भात को ले जाकर अपने भंडारे में जरूर रखते है। इस प्रकार से भगवान जगदीश की की यह रथ यात्रा नगर के जगदीश मंदिर से निकलते हुये सराफा बाजार से होते हुये हृदय स्थल झंडा चौक पहुंचने के बाद आगे की ओर रवाना हुई। इस तरह नगर के मुख्य मार्गो पर भगतों की भीड़ लगातार बढते ही क्रम में देखने मिली। इस प्रकार से नगर के लिए यह सौभाग्य की बात थी कि हाथ फैलाकर लोगों पर कृपा लुटा रहे सुसज्जित रथ पर अपने बड़े भाई बलदेव व बहिन सुभद्रा के साथ विराज मान भगवान जगत के नाथ नगरवासियों को आर्शीवाद प्रदान कर रहे थें। इस दौरान देखा गया कि रथ को कुछ समय तक रथ को खीच रहे संतों ने श्रद्वालुओं का उत्साह बढ़ाया गया। यह भगवान जगन्नाथ जी के रथ की शोभायात्रा नगर के जगदीश मंदिर से शुरू होकर पुरानी गल्ला मंडी, झंडाचौक, चौकी मुहल्ला, चांवडी रोड से पानी टंकी होते हुए पलोटन गंज, शासकीय चिकित्सालय मार्ग से निकलकर विजय कालोनी पहुंचते ही अचानक कुछ मिनिटों के लिये तेज बारिश का दौर शुरू हुआ इस दौरान भगवान के भक्तों ने बारिश के बीच पहुंचकर भगवान का पूजन अर्चन करते हुये आर्शीवाद लिया गया। वैसे भी देखा जावे तो शुक्रवार को दिन भर बारिश का दौर थमा हुआ था। मगर जब जगत के नाथ की रथ यात्रा विजय कालोनी पहुंचते ही जिस तरह अचानक कुछ पल के लिये बारिश का दौर शुरू हुआ तो ऐसा प्रतीत होने से नही चूक रहा था कि मानों इस यात्रा में भगवान इन्द्र जी ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कर दी गई है। इस तरह से यह यात्रा विजय कालोनी से निकलते हुये पुनः पानी टंकी मार्ग से महावीर भवन के मुख्य मार्ग से श्याम टाकीज होतु हुए पटैल वार्ड मालगुजार परिवार में पहुंची जहां पर रात्रि में भगवान जगन्नाथ के रात्रि विश्राम का कार्यक्रम निर्धारित है। वही भगवान जगन्नाथ के रथयात्रा महोत्सव के आयोजन में जगदीश मंदिर के महंत की अहिम भूमिका रही। वही यात्रा में उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा के मार्ग दर्शन में नगर निरीक्षक विक्रम रजक सहित अन्य पुलिस प्रशासन ने भी अनुशासन बनाये रखने का सराहनीय कार्य किया। वही इस रथयात्रा के दौरान अनेक संतो सहित क्षेत्र के अनेक नेताओं के आलवा नपा अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा, प्रवेश राय, सोनू पटैल, रीतेश राय सहित अन्य लोग शामिल होकर भगवान जगदीश्वर का रथ खीचलते हुये देखे गये। इस प्रकार से भगवान की जगदीश की रथयात्रा के चलते संपूर्ण नगर धर्ममय होते हुये देखा गया।

सालीचौका क्षेत्र की लगातार बिगड़ती कानून व्यवस्था से तत्वों के हो रहे हौसले बुलंद, दुकान के अंदर घुसकर की गई कर्मचारी के साथ मारपीट

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। इस समय जिस तरह संपूर्ण जिले की कानून व्यवस्था पटरी से उतरते हुये देखी जा रही है उसके चलते आमजन की जुवान से एक ही बात सुनी जा रही है कि जिले की कानून व्यवस्था को बनाये रखने की बागडोर निश्चित तौर से अनुभव हीन लोगों के हाथों में होने के चलते यह हाल बन रहे है। यदि जिले की सच्चाई पर नजर डाले जावे तो तत्वों के दिलों में जहां पुलिस की दहशत समाप्त होने के चलते वह खुलेआम घटनाओं को अंजाम देते हुये देखे जा रहे है और इसी सच्चाई केमरों में कैंद होने के साथ वायरल होकर जन जन तक पहुंचते हुये देखी जा रही है। मनमानी करने वाले तत्वों के हौसले इतने बुलंद हो चुके है कि वह खुलेआम जिस तरह शासकीय संस्थाओं के अंदर घुसकर महिला कर्मचारियों को मौत के घाट उतारने से नही चूक रहे है इस बात की सच्चाई शुक्रवार को जिला मुख्यालय पर देखने मिल चुकी है। वही दूसरी ओर कुछ इसी तरह की सच्चाई सालीचौका क्षेत्र में भी देखने मिल रही है। बताया जाता है कि सालीचौका क्षेत्र में बीते हुये कुछ महिनों से यह हाल बना हुआ है कि आवारा गर्दी करने वालों के दिलों में मानो पुलिस की दहशत समाप्त हो चुकी है और उन्हें मनमानी करने की पूर्णरूप से छूट प्रदान कर दी गई है..? इसी का परिणाम है कि जहां गांव गांव खुलेआम शराब का अवैध कारोबार चलते हुये देखा जा रहा है तो दूसरी ओर अन्य प्रकार के मादक पदार्थो ने भी अब इस क्षेत्र में अपने पैर जमाना शुरू कर दिया गया है..? वही दूसरी ओर तत्वों की जिस तरह गैंग तैयार होकर आमजन व बाजारों के बीच अपनी दहशत फैलाते हुये देखी जा रही है उसके चलते आम नागरिको से लेकर व्यापारी वर्ग की दहशत के साये में दिखाई देने से नही चूक रहा है..? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये गुरूवार की शाम उस समय देखने मिली जब कुछ लोग एक दुकान पर केक खरीदने के लिये गये और जब वह मन के मुताबिक केक लेकर जाने लगे तो दुकान पर कार्यरत कर्मचारी द्वारा केक के निर्धारित दाम मांगे तो तत्वों द्वारा खुलेआम दुकान के अंदर प्रवेश करते हुये कर्मचारी के साथ मारपीट करने से नही चूक पाये है। इस तरह घटित हुई घटना की सच्चाई का विडियों जिस प्रकार से सोशल मीडिया पर वायरल होते हुये देखा जा रहा है उसके चलते सालीचौका बाजार क्षेत्र के व्यापारियों में दहशत का महौल निर्मित होने से नही चूक रहा है और वह अपनी रोजी रोटी चलाने को लेकर चिंता में दिखाई देने लगे है..? क्योंकि जिस तरह मनमानी करने वाले तत्वों के दिलों में पुलिस की दहश्त समाप्त होने के कारण उनके होलसे बुलंद हो रहे है उसके चलते क्षेत्र का महौल मिर्जापुर फिल्म की दर्ज पर चलते हुये प्रतीत होने से नही चूक पा रहा है..? बताया जाता है कि बीते हुये गुरूवार की शाम लगभग 8.30 बजे नायक ब्रेकर्स की दुकान पर कुछ लोग केक खरीदने के लिये आये हुये थें। इस दौरान उन्होंने केक लेने के बाद जब दुकानदार पर काम करने वाले कर्मचारी निखिल द्वारा केक के दाम बताये गये तो वह बोलने लगे कि यह तो बहुत महंगा है। इस बात को लेकर दुकान पर काम करने वाले कर्मचारी निखिल द्वारा कहा गया कि यदि महंगा लग रहा है तो दूसरी जगह से ले लो या फिर दुकान के मालिक से बात कर लो। इसी बात को लेकर इन तत्वों द्वारा दुकान के अंदर घुसकर दुकान पर काम करने वाले कर्मचारी निखिल के साथ मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई। वही घटना को लेकर पीड़ित द्वारा पुलिस थाने में शिकायत की गई जिसके चलते पुलिस द्वारा आरोपियों के खिलाफ मामला कायम किये जाने की खबर है। इस संबंध में उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा से चर्चा की गई तो उनका कहना है कि गुरूवार की शाम को कुछ लोग वहां पर स्थित नायक ब्रेकर्स की दुकान पर केक खरीदने के लिये आये हुये थें और केक रेट तथा पैसों के लेनदेन की बात को लेकर विवाद होने से चेतन राय, रियांश मेहरा तथा अनिल लोधी द्वारा दुकान पर काम करने वाले कर्मचारी निखिल के साथ दुकान के अंदर घुसकर मारपीट की गई जिसके चलते पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ अलग अलग धाराओं के तहत मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है। इस तरह घटना को लेकर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला तो कायम कर लिया गया है। मगर जिस प्रकार से सालीचौका क्षेत्र में इस प्रकार से तत्वों के बढ़ते हुये हौसलों के कारण जहां व्यापारी वर्ग से लेकर आमजन के बीच दहशत का महौल निर्मित होते हुये देखा जा रहा है वह निश्चित तौर पेहरेदारों की कमजोरी की सच्चाई को उजागर करने से नही चूक रहा है..? वही दूसरी ओर बताया जाता है कि सालीचौका क्षेत्र में जिस तरह एक एक गैंग सक्रिय होने की खबरे मिल रही है उसके चलते लोगों में दहशत का महौल बना हुआ है..?

दूसरों के आधार कार्ड के जरिए लोन लेकर किया फर्जीवाड़ा, पुलिस थाने में की गई शिकायत

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा।

क्षेत्र में जहां एक ओर अपराधिक घटनाओं में इजाफा होते हुये देखा जा रहा है तो दूसरी ओर फर्जीवाड़ा करने वाले भी लगातार घटनाओं को अंजाम देते हुये लोगों के बैक खातों में सेंध लगाने में पीछे दिखाई नही दे रहे है। क्योंकि इस तरह जालसाजी और ठगी के मामले दिनों-दिन बढ़ते जा रहे हैं लोग अलग-अलग हथकंडों के जरिए ठगी को अंजाम दे रहे। ऐसा ही मामला गाडरवारा निवासी राहुल पांडे के साथ घटित हुई घटना में देखने मिला है। बताया जाता है कि जालसाजी से आधार कार्ड का उपयोग करके मुंबई में स्थित एक कंपनी से तथा धनी एप के माध्यम से दो अज्ञात लोगों ने पैंतीस हजार रुपए का लोन ले लिया और राहुल को पता ही नही चला। इस बात का पता उन्हें पता तब चला जब उन्होंने बैंक में लोन लेने के लिए आवेदन किया तब बैंक द्वारा बताया गया कि आपको पूर्व में लिया गया लोन चुकता करना आवश्यक है। इस संबंध में राहुल द्वारा बैक को बताया कि उसके द्वारा किसी प्रकार का कोई लोन नहीं लिया गया है। इसके बाद राहुल ने बैंक से पूरी जानकारी जुटाते हुये सच्चाई का पता किये जाने पर यह बात सामने आई कि उनके आधार कार्ड के गलत तरीके से इस्तेमाल कर अज्ञात व्यक्तियों द्वारा फाइनेंस कंपनियों से लोन लिया गया है। इस तरह घटित हुई घटना को लेकर राहुल पांडे द्वारा पुलिस थाना में एक लिखित शिकायत देते हुये कार्यवाही की मांग की गई है। इस संबंध में साइबर विशेषज्ञ का कहना है कि फर्जीवाडा होने पर सावधानियां रखें। यदि आपके आधार का गलत इस्तेमाल हुआ है तो आपको तुरंत इसकी शिकायत यूआईडीएआई हेल्पलाइन नंबर 1947 पर कॉल या ऑनलाइन शिकायत कर सकते हैं।

विकास खंड स्तरीय नवभारत साक्षरता प्रशिक्षण शामिल हुये अनेक प्रशिक्षणार्थी

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

स्थानीय बीटीआई स्कूल में बीते हुये दिनों आयोजित किये गये विकास खंड स्तरीय नवभारत साक्षरता प्रशिक्षण में अनेक लोगों ने भाग लिया। बताया जाता है कि प्रशिक्षण शिविर का का शुभारंभ संस्था प्राचार्य श्रीमति सुनीता पटेल द्वारा सरस्वती पूजन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया। इस अवसर पर श्रीमति पटैल ने कहा की प्रशिक्षण में बताये गए बिन्दुओ को नोट अवश्य करें। प्रशिक्षण में प्राचार्य प्रतुल इन्दुरख्या ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए मार्गदर्शन दिया एवं कहा कि असाक्षरों को साक्षर बनाना ही लक्ष्य होना चाहिए। इसी प्रकार से बीआरसी संदीप स्थापक ने कहा कि सभी नोडल अधिकारी उन्हें दिए लक्ष्य के अनुरूप कार्य करें। प्रशिक्षण में बीएसी पवन राजोरिया एवं चीचली ब्लॉक से लेखराम गौतम भी दिशा निर्देश दिए गए एवं विस्तारपूर्वक समझाया गया। प्रशिक्षण में बीएसी मनीराम मेहरा, एमआईएस वेद प्रकाश राजपूत, राजेश दुबे, मनमोहन शर्मा, संजय अवस्थी, भूपेंद्र राजपूत, मुकेश साहू, पंकज स्थापक के आलवा सभी स्कूलों के प्रधान पाठक उपस्थित रहे।

गांव की गलियों से स्वास्थ्य की ओर एक कदम, एक सप्ताह तक चलाया गया विशेष स्वास्थ्य अभियान

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा।

सही मानव सेवा उसी को कहा जाता है जब लोग पीड़ितों को पूर्ण निस्वार्थ भाव से सेवा करते हुये उन्हें लाभ प्रदान किया जा रहा हो..। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये सुकर्मा फांउडेशन के द्वारा आयोजित किये गये स्वास्थ्य अभियान में देखने मिली। बताया जाता है कि सुकर्मा फाउंडेशन द्वारा बीते हुये 22 जून से 27 जून तक संचालित विशेष स्वास्थ्य अभियान का सफल समापन हुआ। इस अभियान के तहत सांईखेड़ा क्षेत्र के कुल 14 गाँवों में पहुंच बनाकर लगभग 600 से अधिक किशोरी बालिकाओं का एनीमिया का परीक्षण किया गया। वही लगभग एक हजार से अधिक महिलाओं से संवाद करते हुये उन्हें जरूरी जानकारियों से अवगत कराते हुये उनके परिवारों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। इस अभियान के दौरान लगभग दस गांव आदिवासी क्षेत्र के भी शामिल थें जहां पर जहाँ आज भी बुनियादी स्वास्थ्य सेवाओं की भारी कमी है। बताया जाता है कि यह अभियान मात्र एक शिविर नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और बदलाव का प्रतीक बन गया और इसके पीछे खड़ी हैं दो प्रेरणादायक महिलाएं है। जानकारी के अनुसार माया विश्वकर्मा जिन्होंने अमेरिका की प्रयोगशालाओं को छोड़कर भारत के दूरदराज़ गाँवों को चुना, ताकि ग्रामीण बेटियों और महिलाओं के स्वास्थ्य और गरिमा की रक्षा कर सकें। वही इस संस्था के डारेक्टर डॉ. अनु कोठारी, एक प्रतिष्ठित चिकित्सक बताये जाते है जो वर्तमान में न्यूयॉर्क में सेवाएं दे रही हैं, लेकिन जिनका मन हमेशा भारत में, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों की जरूरतमंद महिलाओं और लड़कियों के साथ जुड़ा रहा। इन दोनों के नेतृत्व और दूरदृष्टि से प्रेरित यह अभियान, ज़मीन पर साकार हुआ और समर्पित टीम के अथक प्रयासों से सुरभि, पुर्जा, हर्षित, सरजू, शीतल और पार्वती जिनकी मेहनत, संवेदना और निरंतरता ने हर गांव में जीवन को छुआ। विशेष रूप से दयाल पैथोलॉय टीम और उमेश, डॉक्टर लाल पैथोलॉजी से इरफान और डॉबर इंडिया लिमिटेड टीम से संजय शाह नरेश का इस अभियान में विशेष योगदान देखने मिला है।

खबर संक्षेप

अनूपपुर नगर के विभिन्न स्थानों पर 28 व 29 जून को विद्युत आपूर्ति रहेगी अवरुद्ध

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। म.प्र. पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड अनूपपुर के अधीक्षण अभियंता (संचा./संधा.) ने बताया है कि उपसंभाग अनूपपुर अंतर्गत 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र कोतमा रोड अनूपपुर से निकलने वाले टाउन फीडर में पुराने जीर्ण-शीर्ण पोलों के स्थान पर नए पोल स्थापित किए जाने का कार्य किया जाएगा। इस कार्य के प्रभावी रूप से सम्पादन हेतु 28 एवं 29 जून को टाउन फीडर में आने वाले शिवमारुति मंदिर सामतपुर, नगरपालिका, मुख्य बाजार, इन्दिरा तिराहा, अमरकंटक तिराहा, शांतिनगर, अनूपपुर बस्ती, उज्ज्वल कॉलोनी, पॉलीटेक्निक कॉलेज, विकलांग छात्रावास आदि क्षेत्रों में प्रातः 7:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक विद्युत आपूर्ति अवरुद्ध रहेगी। कार्य के अनुसार विद्युत आपूर्ति अवरुद्ध रहने की समयावधि को बढ़ाया या घटाया जा सकता है।

अमरकंटक में खुला इंडियन कॉफी हाउस

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। शहडोल संसदीय क्षेत्र की लोकप्रिय सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह, पुष्पराजगढ़ विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को एवं कलेक्टर हर्षल पंचोली ने अमरकंटक के लोक निर्माण विभाग उच्च विश्राम गृह परिषद में इंडियन कॉफी हाउस का विधिवत फीता काटकर भव्य शुभारंभ किया। इस अवसर पर सभी अतिथियों ने कॉफी हाउस परिसर का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया तथा वहां उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में आवश्यक जानकारी इंडियन कॉफी हाउस के सीनियर मैनेजर एवं अधिकारियों से विस्तार से जानकारी ली। इंडियन कॉफी हाउस के उद्घाटन अवसर पर सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह ने कहा कि अमरकंटक एक प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थल है, जहां देशभर से श्रद्धालु और पर्यटक भारी तादाद में आते हैं।

नाराज हुआ संयुक्त ट्रेड यूनियन, नौ सूत्रीय मांगों का पुनः सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। हसदेव क्षेत्र प्रबंधन श्रमिक कल्याण मूलक विषयों पर ठेकेदार और प्रबंधन गुपचुप तरीके से पिछले एक वर्ष से कार्य को अंजाम दे रहे हैं। जिससे क्षेत्रीय कल्याण समिति सदस्यों ने प्रबंधन के इस रवैया से क्षुब्ध होकर क्षेत्रीय महाप्रबंधक को अपना आपत्ति दर्ज कराते हुए। 28 जून 2025 को क्षेत्रीय प्रबंधन द्वारा आयोजित बैठक को बहिष्कार करने का निर्णय लिया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक SECL कंपनी के मुख्यालय से GM (HR) द्वारा पत्र क्रमांक Ref.SECL/BSP/WELF/2025/116 दिनांक 27/05/2025 के तहत कंपनी के प्रत्येक क्षेत्र में वेलफेयर कार्यवृत्त की निरीक्षण कंपनी कल्याण समिति सदस्यों एवं क्षेत्रीय कल्याण समिति सदस्यों द्वारा संयुक्त रूप निर्धारित तिथि पर सुनिश्चित किया गया है।

जयस प्रतिनिधियों ने मौके पर पहुंचकर जाना हाल, वन विभाग की कार्यवाही पर उठे सवाल

जबरन बेदखली से पीड़ित ग्रामीणों की व्यथा, बारिश में टूटी छतों के नीचे रोजी-रोटी का संकट

डिंडौरी न्यूज। करंजिया वन परिक्षेत्र के ग्राम पंचायत जाड़ासुरंग अंतर्गत पोषक ग्राम बरेंडा में बीते सोमवार को वन विभाग एवं जिला प्रशासन की संयुक्त कार्यवाही में भारी पुलिस बल की मौजूदगी में ग्रामीणों के आशियाने उजाड़ दिए गए। ग्रामीणों के अनुसार, उन्हें जबरन बेदखल किया गया, उनकी कृषि भूमि में गड्ढे खोदकर खेती करने से रोका जा रहा है, जिससे उनकी आजीविका पर गहरा संकट उत्पन्न हो गया है।

इस कार्रवाई का ग्रामीणों ने विरोध भी किया, परंतु उनकी बात नहीं सुनी गई और उनके घरों को ध्वस्त कर दिया गया। बारिश के इन दिनों में लोग बिना छत के खुले आसमान तले जीवन जीने को मजबूर हैं। ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें न कोई वैकल्पिक व्यवस्था दी गई और न ही राहत प्रदान की गई। वन विभाग का तर्क है कि ग्रामीण सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर रहे थे, जिस कारण यह कार्यवाही की गई। लेकिन ग्रामीण इसे द्वेषपूर्ण और असंवेदनशील बताते हुए न्याय की मांग कर रहे हैं। इस स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जयस के प्रदेश अध्यक्ष इंद्रपाल मरकाम ने जिले के पदाधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचकर प्रभावित ग्रामीणों से मुलाकात की। उनके साथ जिला अध्यक्ष नागेंद्र सिंह धुर्वे, संगठन मंत्री डिगंबर सिंह पट्टा, ब्लॉक अध्यक्ष अभिलाष श्याम, शाहपुरा प्रभारी सत्यप्रकाश धुर्वे, दिलीप उइके सहित कई अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इंद्रपाल मरकाम ने कहा कि यह घटना मानवाधिकारों का उल्लंघन है। जयस इस मामले को हर स्तर पर उठाएगा और प्रशासन से तत्काल समाधान की मांग करेगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वे स्वयं संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर जल्द से जल्द राहत और पुनर्वास की व्यवस्था सुनिश्चित करवाने का प्रयास करेंगे।ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से पुनर्वास, मुआवजा और खेती की बहाली की मांग की है। अब देखना यह होगा कि प्रशासन उनकी पुकार को कितनी गंभीरता से लेता है।

जनजाति कल्याण केंद्र महाकौशल बरगांव में ली गौशाला समिति की बैठक

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक गौ सेवा गतिविधि अखिल भारतीय प्रमुख शंकर लाल का प्रवास कार्यक्रम

शहपुरा-

जिले के शहपुरा विकासखंड अंतर्गत जनजाति कल्याण केंद्र महाकौशल बरगांव में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक गौ सेवा गतिविधि अखिल भारतीय प्रमुख शंकर लाल का प्रवास कार्यक्रम हुआ। उन्होंने गौशाला समिति के सदस्यों पदाधिकारी एवं गौ प्रेमियों के साथ बैठक आयोजित की।

बैठक में गौ माता पर होने वाली बीमारियों के निदान के बारे में होम्योपैथिक चिकित्सा के बारे में बताए एवं जैविक खेती पर प्रमुख रूप से फोकस रहा। गौ माता के गोमूत्र की उपयोगी जानकारी दी । समाधि खाद तैयार करना, सिंह खाद तैयार करना ,अमृत पानी तैयार करना आदि विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। बैठक में शंकर लाल अखिल भारतीय गौ सेवा गतिविधि प्रमुख, राजकुमार जैन गौ सेवा गतिविधि महाकौशल प्रांत प्रमुख, मनोहर लाल साहू अध्यक्ष जनजाति कल्याण केंद्र महाकौशल बरगांव प्रकल्प प्रमुख, श्याम जी बनमाली, प्रकल्प प्रबंधक जाम सिंह , जनजाति कल्याण केंद्र महाकौशल गौसदन समिति से वीरेंद्र तिवारी उपाध्यक्ष, राधेश्याम साहू सचिव, मनोज सोनी कोषाध्यक्ष, आरएस गुरुदेव सदस्य, शारदा मां गौ सेवा समिति करौंदी से अध्यक्ष टेकेश्वर साहू, कोषाध्यक्ष भीमशंकर साहू एवं गौसदन जनजाति कल्याण केंद्र महाकौशल बरगांव कृषि कल्याण समिति के सदस्य एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बेटों व पति के निधन के बाद आर्थिक संकट से जूझ रहीं थीं श्रीमती मणि नामदेव

सेवानिवृत्त शिक्षिका को आजाद अध्यापक संघ ने दी आर्थिक सहायता

डिंडोरी। नई पेंशन योजना (NPS) के दुष्परिणामों का सामना कर रहे शासकीय कर्मचारियों की पीड़ा एक बार फिर सामने आई है। रायपुरा संकुल की सेवानिवृत्त प्राथमिक शिक्षिका श्रीमती मणि नामदेव के साथ हुई दुखद घटना ने शिक्षक समाज को झकझोर कर रख दिया।

श्रीमती मणि नामदेव अप्रैल 2025 में सेवानिवृत्त हुई थीं, लेकिन उन्हें अब तक न तो सेवानिवृत्त लाभ मिले हैं और न ही पेंशन की सुविधा मिल पाई है। इसी बीच 19 मई को उनके छोटे बेटे का बीमारी के कारण निधन हो गया। इससे पहले वह अपने पति और बड़े बेटे को भी खो चुकी हैं। इन दुखद घटनाओं के बाद वे गंभीर आर्थिक संकट में आ गईं।

इस दुःखद परिस्थिति की जानकारी जब आजाद अध्यापक संघ के सदस्यों को मिली तो उन्होंने सहयोग की भावना से आगे बढ़ते हुए सहायता राशि एकत्रित की। शुक्रवार 27 जून को रायपुरा संकुल के प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं के शिक्षकों ने श्रीमती मणि नामदेव के घर पहुँचकर उन्हें 18,600 की सहयोग राशि प्रदान की।इस अवसर पर आजाद अध्यापक संघ के जिला अध्यक्ष श्री देवेन्द्र दीक्षित, पुरुषोत्तम लाल विश्वकर्मा, क्लेश ठाकुर, प्रफुल्ल कुमार शुक्ला, श्रीमती दीपमाला गुप्ता, सुश्री संतोष रघुवंशी, श्रीमती दुर्गा मरावी, सोनी मैडम और संध्या मैडम उपस्थित रहे। सभी ने श्रीमती नामदेव को ढांढस बंधाया और हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।यह मामला नई पेंशन योजना की खामियों को उजागर करता है और सरकार से मांग की जा रही है कि कर्मचारियों को समय पर सेवानिवृत्त लाभ और पेंशन प्रदान की जाए, ताकि ऐसे दर्दनाक हालातों में कोई भी शिक्षक अकेला महसूस न करे।

---

43 बच्चों की ज़िंदगी खतरे में जर्जर स्कूल भवन में हो रही पढ़ाई

डिंडोरी। डिंडोरी जिले के बजाग विकासखंड के ग्राम पंचायत उफरी अंतर्गत ग्राम बशनिया का प्राथमिक स्कूल भवन बदहाल स्थिति में है। स्कूल भवन इस कदर जर्जर हो चुका है कि छात्रों की जान पर हर दिन संकट मंडरा रहा है। यहाँ 43 बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं, लेकिन विद्यालय भवन की छत और दीवारें किसी भी समय गिर सकती हैं। बच्चे डरे हुए हैं, शिक्षक भी चिंतित हैं, लेकिन मजबूरी में सभी को इसी भवन में शिक्षा जारी रखनी पड़ रही है। स्थानीय निवासियों और अभिभावकों की मांग है कि जल्द से जल्द इस स्कूल भवन का निर्माण या मरम्मत कार्य शुरू किया जाए, ताकि बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

एक अभिभावक ने बताया:

"हमारे बच्चे पढ़ाई से ज्यादा अपनी जान को लेकर डरे हुए हैं। सरकार को ध्यान देना चाहिए।"

अब सवाल यह उठता है:

शिक्षा विभाग और प्रशासन इस जर्जर भवन को लेकर आखिर कब जागेगा? क्या किसी हादसे का इंतजार किया जा रहा है?

डिजिटल गिरदावरी सर्वे में युवाओं की मेहनत पर सिस्टम खामोश

शहपुरा में यूथ सर्वेयरों ने उठाई आवाज – 'काम किया, भुगतान कब मिलेगा?

शहपुरा, डिंडोरी। जिला अन्तर्गत तहसील शहपुरा के लोकल यूथ सर्वेयरों ने प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए एसडीएम और कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा। उनका आरोप है कि जुलाई 2024 से लगातार फसल गिरदावरी (डिजिटल क्रॉप सर्वे) का काम उन्होंने राजस्व विभाग के आदेशानुसार पूरी निष्ठा से किया, लेकिन आज तक एक भी पैसा भुगतान नहीं हुआ।

सर्वेयरों का कहना है कि वे गांव-गांव जाकर खेतों में उतरकर फसल का सर्वे, डिजिटल फोटो अपलोडिंग, भू-अभिलेख सत्यापन, और क्रॉप डेटा एंट्री जैसे काम जोखिम उठाकर किए हैं। फिर भी शासन-प्रशासन उनकी मेहनत का सम्मान नहीं कर रहा।

ज्ञापन में सर्वेयरों ने तीन माँगें रखीं

1. जुलाई 2024 से अब तक किए गए सर्वे कार्य का शीघ्र भुगतान।
2. भुगतान प्रक्रिया में पारदर्शिता और स्थिति की नियमित जानकारी।
3. भविष्य में सर्वेयरों के लिए समयबद्ध और सुनिश्चित भुगतान व्यवस्था।

सर्वेयरों ने यह भी चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्यवाही नहीं की गई, तो वे सामूहिक रूप से आंदोलन करेंगे।

उनका सवाल है –
सरकार डिजिटल भारत की बात करती है, लेकिन डिजिटल फील्ड में काम करने वालों को ही उनका मेहनताना नहीं दे रही – यह कैसा न्याय?।

एक माह में विभिन्न प्रजाति के 100 से अधिक सर्पो का सर्प प्रहरियों ने रेस्क्यू कर छोडा जंगल में

जागरुकता से सर्पदंश की घटनाओं में आ रही कमी

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। बरसात का समय आते ही अन्य स्थानों की तरह अनूपपुर जिले में भी विभिन्न प्रकार के सर्पो का निकलना बहुतायत मात्रा में प्रारम्भ हो गया है इससे आए दिन विभिन्न प्रकार के सर्पो के आम जनो के घरो एवं घरो के आसपास आहार की तलाश में आ जाने की सूचनाएं मिलने पर विगत एक माह के मध्य अनूपपुर जिला एवं जिला मुख्यालय के सर्प प्रहरियों द्वारा विभिन्न प्रजाति के 100 से अधिक सर्पो का रेस्क्यू कर स्वतंत्र विचरण हेतु जंगलों में छोड़ा है यह कार्य निरंतर जारी है वहीं सर्प विशेषज्ञों एवं सर्प प्रहरियों द्वारा समय-समय पर अनूपपुर जिले के नगरीय एवं ग्रामीण अंचलो में ग्रामीणो, आम जनो एवं विभिन्न विद्यालयो में अध्यनरत छात्र छात्राओं को सर्पो की पहचान, बचाव एवं सर्पो के काटने पर तत्काल चिकित्सालय में उपचार कराए जाने हेतु दिए गए जानकारी, प्रशिक्षण से जन जागरुकता आई है जिस कारण सर्पो के डसने की घटनाओं में कमी आई है, वही सांपों के काटने से पीड़ित व्यक्तियों को परिजनों द्वारा शासकीय चिकित्सालय मे समय पर ला कर उपचार कराने लगे हैं जिससे समय पर उपचार होने से कई लोगों की जान बची है। विदित है कि बरसात का समय आते ही जमीन के अंदर रह रहे विभिन्न प्रकार के सांपों का विभिन्न कारणों से बाहर निकल कर बहुतायत मात्रा में विचरण कर रहे हैं जो आहार की तलाश में नगरीय एवं ग्रामीण अंचलों में निवास रत आम जनों के घरों एवं घरो के आसपास विचरण करते आ जाते हैं वहीं खेतों में काम करते अक्सर दिखते हैं सांपों के दिखने, घर के अंदर एवं आसपास होने की सूचना प्राप्त होने पर जिला मुख्यालय अनूपपुर के सर्पप्रहरी शशिधर अग्रवाल, छोटेलाल यादव, जैतहरी के डीपी सेन, गोबरी के डीके रावत, कोतमा के हरिवंश प्रसाद पटेल, अमरकंटक क्षेत्र से भास्कर कुमार वर्मे, विकास चंदेल एवं उनकी टीमों द्वारा एक माह के मध्य 100 से अधिक संख्या में अत्यंत जहरीले कोबरा नांग, बैडेड करैत, कामन करैत, रसल वाईपर के साथ जहरविहीन गोह, तिरिछ, धामन असढिया, अजगर, भेड़िया सांप, पानी का सांप जैसे विभिन्न प्रजाति के सांपों का सुरक्षित रेस्क्यू कर स्वतंत्र विचरण हेतु जंगलों में छोड़ने का कार्य किया गया है जो निरंतर जारी है सांपों की पहचान, बचाव एवं सांपों के डसने से पीड़ित व्यक्तियों को समय पर शासकीय चिकित्सालय मे ले जा कर उपचार कराए जाने के संबंध में सर्प विशेषज्ञो एवं सर्प प्रहरियों द्वारा समय-

समय पर जिला मुख्यालय अनूपपुर के साथ अन्य नगरीय क्षेत्र, ग्रामीण क्षेत्रो के साथ विभिन्न विद्यालयों में अध्यनरत छात्र-छात्राओं को महत्वपूर्ण जानकारी के साथ प्रशिक्षण दिए जाने से आम जनों में जागरूकता आई है जिससे विभिन्न प्रजाति के सांपों के काटने से पीड़ित व्यक्तियों को परिजनों एवं अन्य लोगों द्वारा झाड़-फूंक या अन्य स्थानीय उपचार कराने की बजाए तत्काल समय पर शासकीय चिकित्सालय में ला कर उपचार करा रहे हैं। समय पर अस्पताल पहुंचने एवं समय पर उपचार होने से सांपों से पीड़ित व्यक्तियों का चिकित्सकों द्वारा सफलतापूर्वक उपचार किए जाने से जान बच रही है एक माह के मध्य अनेकों पीड़ितों की जान बच सकी है वही अनूपपुर एवं जैतहरी में दो महिलाओं की जिसमें एक महिला की बाडी में काम करते हाथ की अंगुली मे कोबरा नांग के डसने एवं एक महिला की घर में जमीन में सोते समय पीठ में कामन करैत डण्डा करायल काटने से देरी से अस्पताल पहुंचने पर सर्पदंश से मौत होने की घटना घटित हुई है सर्प विशेषज्ञों एवं सर्प प्रहरियों ने बरसात के समय घरों के अंदर जमीन में नहीं सोने, टॉर्च या अन्य तरह की रोशनी के साथ रात के समय चलने, घरों के आसपास साफ सफाई रखने, घर के अन्दर, बाहर रखे कन्डे, लकड़ी अन्य सामग्रियो के ढेर से कुछ निकालते समय सावधानी बरतने, खेतों में चारा, घास पर सावधानी से चलने, काम करने की बातें कही है।

स्थानांतरण के बाद भी कुर्सी से चिपके बैठे हैं अधिकारी!

शहपुरा में शासन के आदेशों की खुलकर उड़ रही धज्जियां, प्रशासन मौन

डिंडोरी

जिले में राजस्व विभाग के आर.आई. और पटवारी स्थानांतरण के बाद भी पूर्व पदस्थ स्थानों पर कर रहे कार्य, शासन के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद डिंडोरी जिले के शहपुरा विकासखंड में राजस्व विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा स्थानांतरण आदेशों की खुलेआम अवहेलना की जा रही है। कलेक्टर (भू-अभिलेख) कार्यालय द्वारा 16 जून 2025 को जारी किए गए स्थानांतरण आदेशों के बाद भी कई आर.आई. और पटवारी आज तक अपनी कुर्सियों से नहीं हिले हैं।

यह है स्थानांतरण का आदेश

मध्यप्रदेश शासन की स्थानांतरण नीति 2025 के तहत आदेश क्रमांक 472/अ.भू.अ./स्थापना/2025 दिनांक 16/06/2025 को जारी किया गया, जिसमें यह निर्देश स्पष्ट था कि सभी संबंधित अधिकारी 7 दिवस के भीतर नवीन पदस्थ स्थान पर उपस्थिति दें। लेकिन अब 10 दिन बीतने के बाद भी न तो कार्यमुक्ति ली गई और न ही रिपोर्टिंग की गई है।

पुराने कार्यकाल की गड़बड़ियों को छुपाने की कोशिश?

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, कई अधिकारी स्थान परिवर्तन न करके अपनी पिछली पोस्टिंग पर बने रहकर दस्तावेजों और फाइलों में हेराफेरी कर रहे हैं। सूत्रों की मानें तो ऐसा पूर्व कार्यकाल की अनियमितताओं को छुपाने के लिए किया जा रहा है।

जनता में रोष, विश्वसनीयता पर संकट

इस गैरजिम्मेदाराना रवैये को लेकर क्षेत्रीय जनता में भारी असंतोष है। सामाजिक कार्यकर्ता और ग्रामीणों का कहना है कि यदि प्रशासन अपने ही आदेशों का पालन नहीं करा पा रहा है, तो आम जनता को न्याय कैसे मिलेगा? यह स्थिति प्रशासनिक जवाबदेही और पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

जनप्रतिनिधियों की खुली चेतावनी

स्थानीय जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों ने प्रशासन से सख्त लहजे में माँग की है कि स्थानांतरण के आदेश के बावजूद कार्यरत अधिकारियों को तत्काल कार्यमुक्त कर नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाए। कुछ नेताओं ने इसे "प्रशासनिक मिलीभगत का उदाहरण" बताते हुए उच्चस्तरीय जांच की मांग की है।

प्रशासन की चुप्पी क्या संकेत दे रही है?

अब सवाल यह है कि यदि सब कुछ लिखित आदेशों में दर्ज है, तो प्रशासन मौन क्यों है? क्या यह चुप्पी किसी राजनीतिक या प्रशासनिक संरक्षण का परिणाम है? क्या यह मामला भी सिर्फ़ फाइलों में दब कर रह जाएगा?

अब निगाहें ज़िला प्रशासन पर टिकी हैं

यह देखना दिलचस्प होगा कि जिला प्रशासन इस मामले में कब और कैसी कार्रवाई करता है। यदि शीघ्र और सख्त कदम नहीं उठाए गए तो यह अनुशासनहीनता पूरे विभाग में एक गलत परंपरा को जन्म दे सकती है।

प्रबंधन की सुरक्षा व्यवस्था पर उठ रहे सवाल

जिला अस्पताल में छात्रा की हत्या

गुस्साए परिजनों ने किया चक्का जाम

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिला चिकित्सालय प्रबंधन अपने कारनामों के कारण चर्चा का विषय बना रहता है। लोगों द्वारा आए दिन कभी डॉक्टरों की समस्या कभी स्टाफ की समस्या तो कभी चोरी, विवाद ऐसी घटनाए जिला चिकित्सालय मे आम बात है। वही गत दिवस जिला चिकित्सालय के इमरजेंसी वार्ड के सामने युवती की गला काट कर हत्या कर दी गई। जिससे पूर अस्पताल मे सनसनी फैल गई। उक्त घटना के बाद परिजनों द्वारा चक्का जाम कर युवती को न्याय दिलाने की मांग करते रहे। शुक्रवार को दोपहर तकरीबन साढे तीन बजे जिला चिकित्सालय के वार्ड मे हैवानियत से सवार युवक ने नर्स छात्रा की गला रेंत कर हत्या कर दी। घटना से अस्पताल परिसर मे सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी लगते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे मे लेकर मर्ग प्रकरण तैयार कराया गया। घटना की जानकारी लगते ही मौके पर पुलिस अधीक्षक श्रीमती मृगाखी डेका, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप भूरिया, एसडीओपी मुकेश गुप्ता भी मौके पहुंचे। वही परिजनों द्वारा अस्पताल प्रबंधन पर आरोप लगाते हुए रोड पर चक्काजाम कर दिया गया। वही प्रशासन द्वारा आवागमन के लिए मार्ग परिवर्तन भी किया गया।

मामला इस प्रकार

उक्त मामले के संबंध मे बताया गया कि छात्रा नगर के महारानी लक्ष्मी बाई स्कूली मे बारहवीं कक्षा मे अध्ययनरत थी व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए नर्स की ट्रेनिंग के लिए जिला चिकित्सालय गई हुई थी। दोपहर तकरीबन साढ़े 3 बजे के युवक चाकू लेकर जिला चिकित्सालय पहुंचा और मेल नर्सिंग स्टाफ के साथ बैठी ट्रेनी नर्स छात्रा संध्या पिता हीरालाल चौधरी निवासी बाहरी रोड नरसिंहपुर पर मारपीट शुरू कर दी गई जिस पर मेल नर्सिंग व्यक्ति द्वारा रोका गया तो उसे चाकू दिखा दी गई। उसके बाद युवक द्वारा छात्रा को और मारा गया एवं चाकू निकाल कर गले में प्रहार किया गया जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई और स्टाफ द्वारा घटना की जानकारी पुलिस एवं प्रशासन को दी गई। घटना की जानकारी लगते ही एस पी श्रीमती मृगाखी डेका, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप भूरिया, एसडीओपी, थाना प्रभारी व स्टाफ मौके पर पहुंचा।

घटना के विरोध में घंटों रहा चक्काजाम

उक्त घटना को लेकर परिजनों द्वारा अन्य संगठनों के लोगों द्वारा रोड पर चक्काजाम कर दिया गया। आवागमन व्यवस्था को सुचारू रूप से जारी रखने के लिए प्रशासन द्वारा र्माग परिवर्तन भी किया गया। परिजनों द्वारा किए चक्काजाम के दौरान आरोपी को फांसी की मांग करते हुए जिला प्रशासन मुर्दाबाद के नारे भी लगाए गए तथा कलेक्टर को मौके पर बुलाने की बात को लेकर अड़े रहे। वही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक द्वारा भीड़ को समझाने को प्रयास भी किया गया। उक्त घटना से जिला अस्पताल प्रबंधन पर भी लोगों द्वारा सवाल उठाए जा रहे है। वही प्रशासन द्वारा ठोस कार्रवाई का आश्वासन भी दिया गया उसके बाद भी परिजन मानने को तैयार नहीं हुए और चक्काजाम जारी रहा।

अस्पताल प्रबंधन उठ रहे सवाल

उक्त घटना के बाद जिला चिकित्सालय प्रबंधन पर भी सवाल उठ रहे है। उक्त घटना को अंजाम देने पहुंचे युवक को आसानी से आने जाने मे कोई रोक टोक नही की गई और ना ही उसे रोका गया घटना के बाद आरोपी अपनी मतवाली चाल से चलते हुए अपनी गाड़ी के पास पहुंचा और गाड़ी में बैठकर चले गए। घटना के बाद जिला अस्पताल के सुरक्षा कर्मी भी पकड़ने का प्रयास नही किया। जिससे प्रतीत होता है कि अस्पताल प्रबंधन की सुरक्षा व्यवस्था शून्य है केवल प्रशासन को दिखाने लिए ही सुरक्षा कर्मी रखे गए है। प्रशासन को चाहिए की ऐसे लापरवाह ठेकेदार व सुरक्षा कर्मियों पर ठोस कार्रवाई की जाए जिससे इस प्रकार की घटना दोबारा ना हो सके। वही परिजन बेटी को न्याय दिलाने की मांग कर रहे है। पुलिस द्वारा सीसीटीव्ही फुटेज के आधार पर कुछ लोगों को हिरासत लिए जाने की जानकारी प्राप्त हो रही है। फिलहाल पुलिस द्वारा घटना के संबंध मे कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। समाचार लिखे जाने तक चक्का जाम जारी था।

ख़बर संक्षेप

विश्व नशा विरोध दिवस पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नरसिंहपुर में नशा मुक्त भारत पखवाड़ा के अंतर्गत विश्व नशा विरोध दिवस मनाया गया। इस अवसर पर नशा मुक्त भारत अभियान के तहत भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम संस्था प्राचार्य डॉ.आर.बी.सिंह के निर्देशन में आयोजित किया गया तथा राष्ट्रीय सेवा योजना छात्र इकाई कार्यक्रम अधिकारी डॉ. जी. एस. मर्सकोले के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर भाषण प्रतियोगिता के निर्णायक समिति के रूप में प्रो.केशव पांडेय, डॉ.नमिता साहू, प्रो.प्रीति कौरव तथा श्रीमती कल्पना साहू मौजूद रहे, उन्होंने भाषण प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में उपस्थित थे। प्रतिभागीयों ने इस अवसर पर विद्यार्थियों को प्रेरित करने के उद्देश्य से भाषण प्रतियोगिता में अपने अपने विचार रखें, उन्होनें बताया कि तम्बाकू, जर्दा, सिगरेट, शराब के विकल्प के रूप में इलायची, लौंग या सौंप भी ले सकते है, लेकिन नशा न करें, नशा एक सामाजिक अभिशाप है। नशे से शारीरिक, आर्थिक, मानसिक और देश की जीडीपी पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ता है, जो हम सब की उन्नति पर असर होता है। अतः नशा नाश की जड़ है नशा नहीं करें। नशा पाश्चात्य संस्कृति की देन है, नशे को फैशन और शान समझा जाता है और आज के युवा नशे की गिरफ्त में फंसते जा रहे है जो भविष्य के लिए अभिशाप है। युवा की तरक्की में बाधा है नशा से दूर रहने में ही युवा का फायदा है। इससे कई रोगों से युवा ग्रसित हो जाता है। जैसे केंसर, लीवर की बीमारी, मानसिक तनाव आदि। समाज में लड़ाई झगड़े करना तथा नशे से वाहन दुर्घटनाआदि। भाषण प्रतियोगिता में दिनेश अग्रवाल ने प्रथम स्थान, मनीषा राजपूत ने द्वितीय स्थान तथा हर्षित चैरसिया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेता प्रतियोगियों को मेडल और प्रशस्ति पत्र से नवाजा गया। इस मौके पर पूर्व दलनायक वेदान्त दुबे और वरिष्ठ स्वयं सेवक विश्वास जाटव, रोहित नौरिया, विवेक साहू, विश्घ्वास जाटव, विवेक मेहरा, भूमि दुबे आदि स्वयंसेवक विद्यार्थी बड़ी संख्या में मौजूद थे। समस्त कार्यक्रम रासेयो कार्यक्रम अधिकारी डॉ. जी.एस मर्सकोले के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ तथा दिनेश अग्रवाल और ऋतिक कुशवाह ने संयुक्त रूप से मंच संचालन किया। अन्त में हर्षित चौरसिया ने इकाई की ओर से सभी का आभार व्यक्त किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर दिनेश अग्रवाल, द्वितीय मनीषा राजपूत, एवं तृतीय स्थान हर्षित चौरसिया ने प्राप्त किया।

सीईओ सोनी का स्थानांतरण एसडीएम को मिला प्रभार

घंसौर / जनपद पंचायत घंसौर में पदस्थ मुख्यकार्यपालन अधिकारी श्रद्धा सोनी का स्थानांतरण कर दिया गया है मिली जानकारी के अनुसार मध्यप्रदेश शासन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग भोपाल दिनांक 17 जून 2025 के अनुसार श्रद्धा सोनी, प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत घंसौर, जिला-सिवनी का स्थानांतरण जनपद पंचायत निवास, जिला-मण्डला किया गया है। श्रद्धा सोनी, प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत घंसौर के भारमुक्त होने के उपरांत बिसन सिंह अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) घंसौर को आगामी आदेश तक मुख्यकार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत घंसौर का अतिरिक्त प्रभार सौंपा। कार्यालय सिवनी द्वारा जारी आदेश में बताया गया है कि विसन सिंह गौड़ अनुविभागीय अधिकारी राजस्व घंसौर अपने कर्तव्य के साथ-साथ मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत घंसौर के रूप में अतिरिक्त कार्यभार संभालेंगे। बताया गया है कि उन्हें जनपद पंचायत कार्यालय घंसौर के आहरण एवं संवितरण के अधिकार प्रदत्त किये हैं। उल्लेखनीय है कि सीईओ श्रद्धा सोनी के स्थानांतरण के पूर्व से ही कयास लगाये जा रहे थे किंतु उनके स्थानांतरित हो जाने के उपरांत उनके समकक्ष अधिकारी को पदस्थ नहीं किए जाने के कारण एक बार फिर विसन सिंह गौड़ को अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है विसन सिंह गौड़ इससे पहले भी श्रद्धा सोनी के अवकाश पर जाने के दौरान अतिरिक्त प्रभार संभाल चुके हैं।

उद्यमी भारत एमएसएमई डे पर सेमिनार आयोजित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। शुक्रवार को 1 एम पी बटालियन एन सी सी जबलपुर के कमान अधिकारी कर्नल समीर बोडास के निर्देशानुसार सोशल सर्विस एण्ड कम्युनिटी डेवलपमेंट के अंतर्गत एम आई एम टी कॉलेज नरसिंहपुर में संचालित एन सी सी कंपनी द्वारा उद्यमी भारत एमएसएमई डे 2025 विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम कर्नल अनिल भार्गव जिला सैनिक कल्याण बोर्ड अधिकारी नरसिंहपुर के मुख्य आतिथ्य एवं प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार गर्ग की अध्यक्षता में किया गया। मुख्य अतिथि कर्नल भार्गव ने कहा कि एनसीसी संगठन समाज में चरित्र, साहस, भाईचारा, अनुशासन, नेतृत्व, धर्मनिरपेक्ष दृष्टि कोण, साहसिक भावना और निस्वार्थ सेवा को आत्मसात करने हेतु युवाओं को संगठित प्रशिक्षित एवं प्रेरित कर रहा है। इसी क्रम में उन्होने उद्यमी भारत एवं बदलता भारत योजना अंतर्गत एन सी सी कैडेटिस को र्स्टाटअप हेतु प्रेरित किया। प्राचार्य डॉ. गर्ग ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम के माध्यम से देश की आर्थिक वृद्धि, नीतियां, नवाचार और चुनौतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला तथा युवाओं को आत्मनिर्भर बनने हेतु प्रेरित किया। डॉ. दीपिका शर्मा, विभाग अध्यक्ष शिक्षा संकाय द्वारा संयुक्त राष्ट्र संघ एवं भारत सरकार द्वारा गरीबी उन्मूलन तथा रोजगार के अवसर विषय पर विकास, लक्ष्यों को प्राप्त करने एमएसएमई दिवस की उपयोगिता को निरूपित किया। कार्यक्रम का संचालन एसोसिएट एनसीसी अधिकारी मेजर डॉ. पराग नेमा एवं आभार ले. जितेन्द्र कुमार मिश्रा द्वारा किया गया। सेमिनार मे उपस्थित पूर्व एनसीसी कैडेट्स स्टाफ मेंबर्स एवं सीनियर डिवीजन और सीनियर विंग के कैडेट्स द्वारा महत्वपूर्ण विषय वैश्विक अर्थव्यवस्था और भारत पर सारगर्भित परिचर्चा की गई।

जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी प्रतियोगिता हेतु बैठक संपन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। शासन के निर्देशानुसार इंस्पायर अवार्ड-मानक योजना 2023-25 व 2024-25 अवार्डी विद्यार्थियों के प्रोटोटाइप की जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी प्रतियोगिता का आयोजन जुलाई के प्रथम सप्ताह में शास. क.उ.मा.वि. एमएलबी नरसिंहपुर में किया जाना है। जिला स्तरीय कार्यक्रम के सफल एवं सुचारू रूप से क्रियान्वयन हेतु जिला शिक्षा अधिकारी एम एस खान की उपस्थिति में पीएमश्री शास. क.उ.मा.वि. एमएलबी नरसिंहपुर में गठित जिला आयोजन समिति के सदस्यों बैठक का आयोजन किया गया एवं संबंधित लोक सेवक को सौंपे गए दायित्व पर विस्तृत चर्चा कर सुझाव आमंत्रित कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी प्रतियोगिता के सफल क्रियान्वयन हेत समारोह की संपूर्ण व्यवस्था एवं मानीटेरिंग समिति से प्राचार्य डॉ एस के पाल जिला विज्ञान अधिकारी प्राचार्य राजीव किशोर श्रीवास्तव द्वारा अयोजन सम्बन्धी आवश्यक जानकारी दी गई। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा सभी व्यवस्थाओं पर विस्तृत चर्चा कर समिति के प्रभारियों से सुझाव साझा किए। जिला शिक्षा अधिकारी ने कहा कि 71 प्रतिभागियों की शत प्रतिशत उपस्थिति एवं उनके भोजन पेयजल व्यवस्था, प्रमाण पत्र में सही नाम लिखा हो, प्रतिभागी के साथ विज्ञान मार्गदर्शी शिक्षक उपस्थित रहें, बारिश के दौरान सुचारू व्यवस्था, ग्रामीण क्षेत्र से बच्चे आयेंगे उनको प्रोत्साहित करते हुए व्यवहार करने हेतु दिशा निर्देश दिए। बैठक में ए एस मशराम, प्राचार्य श्रीमती आशा नेमा, मनीष कटारे प्राचार्य संदीप नेमा, प्राचार्य गोविंद बड़कुर, आदि उपस्थित रहे।

छात्रवृत्ति हेतु पोर्टल पर वन टाइम रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। अनुसूचित जाति एवं जनजाति कार्य मंत्रालय भारत सरकार से प्राप्त निर्देशानुसार कक्षा 9 वीं से महाविद्यालय स्तर तक अध्ययनरत अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों, जिन्हें केन्द्र प्रवृत्ति प्री.मै. पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति- वार्षिक पारिवारिक आय सीमा 2.50 लाख रुपये से कम होने पर इसका लाभ प्राप्त होता है। उन्हें वर्ष 2025- 26 में छात्रवृत्ति योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल- एनएसपी पर वन टाईम रजिस्ट्रेशन- ओटीआर कराना अनिवार्य है। विद्यार्थियों द्वारा एक बार ओटीआर नंबर प्राप्त करने के पश्चात भविष्य में भी आगामी कक्षाओं में इसी नंबर के आधार पर छात्रवृत्ति योजनाओं का लाभ प्राप्त किया जा सकेगा। इसके लिए पृथक से पुनरू ओटीआर की आवश्यकता नहीं होगी। प्रत्येक विद्यार्थी 30 जुलाई 2025 से पूर्ण रजिस्ट्रेशन किया जाना अनिवार्य किया गया है। कक्षा 9 वीं से महाविद्यालय स्तर तक अध्ययनरत अनुसूचित जाति एवं जनजातीय वर्ग के विद्यार्थियों द्वारा ओटीआर नंबर प्राप्त करने की प्रक्रिया दो चरणों में सम्पन्न होगी। प्रथम चरण में विद्यार्थी को नेशनल स्कालरशिप पोर्टल की वेबसाइट से अथवा मोबाइल पर एनएसपी ओटीआर नंबर एप डाउनलोड कर उसमें आवश्यक जानकारी देकर रेफरेंस नंबर प्राप्त करना होगा। द्वितीय चरण में एनएसपी ओटीआर एप एवं आधार फेस आरडी सर्विस एप डाउनलोड कर रेफरेंस नंबर के माध्यम से ओटीआर की प्रक्रिया पूर्ण कर ओटीआर नंबर प्राप्त करना होगा।

साढ़े पंद्रह किलो गांजे के साथ आरोपी गिरफ्तार

तेंदूखेड़ा। पुलिस अधीक्षक मृगाखी डेका के निर्देशन में अवैध मादक पदार्थ बेचने वालो के विरूद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है जिसके तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप भूरिया तथा एस डी ओ पी तेंदूखेड़ा मधुर पटेरिया के मार्गदर्शन मे शुक्रवार 27 जून को गोलू ढाबा के पास केसली सड़क मार्ग औपर भौरपानी ग्राम मे आरोपी सुनील कुर्मी पिता रघुवीर कुर्मी उम्र 21 साल निवासी ग्राम झिरी थाना देवरी जिला रायसेन के कब्जा से 15 किलो 500 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा कीमत 225000 रू तथा एक बोलेरो वाहन को जप्त कर आरोपी के विरूद्ध अपराध क्र 278/25 धारा 8/20 बी एन.डी.पी.एस. एक्ट का अपराध कायम कर आरोपी को न्यायालय पेश कर जेल भेजा गया है। इस कार्यवाही में नगर निरीक्षक सौरभ उनि अनिल तिवारी आरक्षक कर्मवीर संजय ठाकुर नारायण मरावी सत्येंद्र बैन लखनलाल अहिरवार की सराहनीय भूमिका रही।

ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कराना अतिथि शिक्षकों के भविष्य के साथ होगा खिलवाड़

तेंदूखेड़ा। विगत 17 वर्षों से अपने न्यूनतम वेतनमान पर कार्य कर रहे अतिथि शिक्षकों के भविष्य के साथ एक बार फिर खिलवाड़ होता दिख रहा है। अप्रैल माह में जहां अतिथि शिक्षकों की सेवाएं समाप्त कर एजुकेशन पोर्टल के माध्यम से पुनः रजिस्ट्रेशन कराकर उनका प्रक्रिया में लाया गया।विगत दिनों शासन द्वारा नया आदेश जारी कर दिया गया है। जिसमें सभी अतिथि शिक्षकों की नए सिरे से भर्ती प्रक्रिया 30 जून से प्रारंभ होने जा रही है। जिसमें अतिथि शिक्षकों को भी अपनी उपस्थिति शाला में ई गवर्नेंस प्लेट फार्म के हमारे शिक्षक ऐप के माध्यम से शाला प्रारंभ होने के निर्धारित समय के 1 घंटे तक उपस्थित ऑनलाइन दर्ज की जाएगी। तथा शाला बंद होने के आधा घंटा पूर्व तथा आधा घंटा बाद तक वापसी की उपस्थिति दर्ज की जा सकेगी। जिसका संगठन द्वारा जमकर विरोध किया जा रहा है । वर्तमान में यह ऑनलाइन उपस्थिति केवल शिक्षा विभाग पर ही लागू की गई है ।अन्य किसी विभाग पर या प्रणाली लागू नहीं की गई है। जिसका राज्य अध्यापक शिक्षक संघ और अतिथि शिक्षक संघ द्वारा विरोध दर्ज कराया जा रहा है। एक और प्रश्न यह खड़ा होता है कि रेगुलर शिक्षकों को जहां मातृत्व अवकाश एवं साल में 13 दिन अवकाश शासन के द्वारा प्रदान किए जाते हैं। परंतु राज्य सरकार के द्वारा जो अतिथि शिक्षकों के लिए नई भर्ती प्रक्रिया का आदेश जारी किया गया है इसमें कहीं से कहीं तक छुट्टी का कोई प्रावधान नहीं है अब सवाल यह खड़ा होता है कि यदि किसी शिक्षक को आवश्यक कार्य आ जाता है तो उस शिक्षक का सीधे एक दिवस का वेतन काटा जाएगा। यह सरासर कहीं ना कहीं अतिथि शिक्षकों के भविष्य के साथ एक खिलवाड़ ही कहा जाना चाहिए। अतिथि शिक्षक संघ प्रदेश अध्यक्ष सुनील परिहार एवं नरसिंहपुर जिला अध्यक्ष शिवकुमार सोनी ने हमारे प्रतिनिधि को जानकारी देते हुए बताया है कि यदि सरकार का यह तुगलक शाही फरमान वापस नहीं लिया गया तो हम सभी अतिथि शिक्षक रोड पर उतरकर सरकार का विरोध दर्ज कराएंगे क्योंकि यह प्रणाली हम अतिथि शिक्षकों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने के लिए बनाई गई है बिना सोचे समझे ही इस प्रणाली को हम अतिथि शिक्षकों पर थोपा गया है यदि यही प्रणाली मध्य प्रदेश में लागू करना थे तो सभी विभागों पर लागू होना थी क्योंकि हम लोगों ने स्कूलों में ईमानदारी से काम किया है और कम वेतन पर काम अच्छा करके दिया है परंतु इसके बदले में हमारे लिए शासन के इस तरह की नीति लागू करना कहीं से कहीं तक सही नहीं है यदि शासन शीघ्र ही इस प्रणाली पर पुनर्विचार नहीं करता है तो हम अतिथि शिक्षकों द्वारा तहसील स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक इसका विरोध किया जाएगा जिसकी संपूर्ण जवाबदारी शासन प्रशासन की रहेगी।

सभी विभागों में एक साथ ई अटेंडेंस लागू करे सरकार

शिक्षकीय गरिमा के खिलाफ ई अटेंडेंस के विरोध में शिक्षकों का ज्ञापन आज

तेंदूखेड़ा। केवल शिक्षक संवर्ग हेतु ई अटेंडेंस व्यवस्था लागू करना समाज में ऐसा संदेश देता है कि शिक्षक कर्तव्य के प्रति लापरवाह और गैरजिम्मेदार है।राज्य शिक्षक संघ मध्यप्रदेश ने ऐसे कुप्रचार को फैलाने वाली ई अटेंडेंस व्यवस्था को सिर्फ शिक्षकों के लागू किए जाने को अन्यायपूर्ण बताया।संघ के प्रांताध्यक्ष जगदीश यादव ने जारी प्रेस नोट में कहा कि ऐसी व्यवस्था लागू करना सरकार का हक है पर इसे मध्यप्रदेश के समस्त विभागों के समस्त कर्मचारियों अधिकारियों पर एक साथ लागू किया जाना चाहिए।संघ ने सरकार को चेताया कि गुरु परंपरा को खंडित करने वाली इस योजना में प्रदेश का शिक्षक संवर्ग तब तक शामिल नहीं होगा जब तक यह केवल उनके लिए है।

रिजल्ट देख खूब तारीफ की फिर अविश्वास क्यों

राज्य शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष जगदीश यादव ने कहा कि विगत दिवस मध्य प्रदेश के 10वीं एवं 12वीं के वार्षिक परीक्षा परिणाम में सरकारी स्कूलों के बेहतर प्रदर्शन से उत्साहित मुख्यमंत्री ने शासकीय शिक्षकों एवं विद्यालयों की तारीफों के पुल बांधे थे और कुछ दिन गुजरते ही केवल उनके लिए ही अटेंडेंस योजना लागू करना शिक्षकों की विश्वसनीयता पर प्रश्न चिन्ह लगता है ।संघ ने चेताया कि सरकार को समाज में गुरु के सम्मान के बने स्तर को खंडित करने वाले किसी भी कदम को उठाने से बचना चाहिए। सभी के लिए एकसाथ करें लागू प्रांताध्यक्ष ने शिक्षा मंत्री को सौंपे ज्ञापन में कहा कि समूचा शिक्षक संवर्ग पूरी निष्ठा से अपने कर्तव्यों का पालन कर रहा है।उन्हें अटेंडेंस योजना में सहभागी होने में कहीं कोई आपत्ति नहीं है परंतु यदि यह योजना केवल शिक्षक संवर्ग के लिए लागू की जाएगी तो वे इसमें सहभागी नहीं होंगे।सरकार इसे समस्त विभागों में एक साथ लागू करें शिक्षक संवर्ग इसमें शत प्रतिशत सहयोग हेतु आगे आएगा।आज प्रदेश भर में ज्ञापन राज्य शिक्षक संघ ने 28 जून को मध्य प्रदेश के समस्त विकास खंड स्तर पर ई अटेंडेंस योजना को प्रदेश के समस्त विभागों में एक साथ लागू करने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपने की घोषणा की है। संघ ने प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव से आग्रह किया है कि वह जब तक अन्य विभागों में ई अटेंडेंस योजना प्रारंभ नहीं हो सकती तब तक शिक्षा विभाग में इसे स्थगित किया जाए।

उमंग भक्ति उत्साह के साथ आर्यिका संघ की भव्य आगवानी

तेंदूखेड़ा। आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की परम प्रभावक शिष्या आर्यिका सिद्धांत मति माता आर्यिका पुनीत मति माता आर्यिका विनय मति माता जी का ससंघ तेंदूखेड़ा में भव्य चातुर्मासिक मंगल प्रवेश हुआ। सुबह-सुबह डोभी सड़क मार्ग से तेंदूखेड़ा पहुंचते ही माता जी की भव्य आगवानी में सभी वर्गों के लोगों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। सकल दिगम्बर जैन समाज के साथ साथ सनातन धर्म के लोगों में भी भारी उत्साह का वातावरण बना हुआ है। चातुर्मास मंगल कलश की समारोह पूर्वक स्थापना के साथ नगर में धर्म प्रभावना होगी। प्रतिदिन आध्यात्मिक अनुष्ठान कार्यक्रम संपन्न होंगे।

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार सुंदरलाल आत्मज दीवान लोधी निवासी किसानी वार्ड नरसिंहपुर मौजा नरसिंहपुर नं.बं. 278 प.ह.नं.40 तहसील व जिला नरसिंहपुर स्थित खसरा नंबर 14/3 रकवा 0.118 हे. के भूमिस्वामी मालिक काबिज चले आ रहे है। उपरोक्त भूमि मेरे पक्षकार की खानदानी भूमि है, जो कि मे पक्षकार को बटवारे में हिस्से मे प्राप्त हुयी है, जिस पर मेरा पक्षकार मालिक काबिज चला आ रहा है। मेरे पक्षकार को ऐसी जानकारी मिली है कि सुनील साहू के द्वारा छल कपटपूर्वक, बिना किसी हक व अधिकार के मेरे पक्षकार की भूमि को अपने माल्कियत की बतलाते हुए उसने विवेक चौकसे के हक में बैनामा निष्पादित कर दिया है, जिसे कि सुनील साहू को निष्पादित करने का कोई हक व अधिकार नहीं है और विवेक चौकसे को उक्त शून्य व अवैध बैनामा की आड़ में मेरे पक्षकार के स्वामित्व की भूमि ख.नं. 14/3 पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे है, आप विवेक चौकसे को उक्त अवैध व शून्य बैनामा के आधार पर कोई हक व स्वत्व मेरे पक्षकार की भूमि पर अर्जित नहीं हुए है । अतः इस आम सूचना के जरिये सूचित किया जाता है. कि आप विवेक चौकसे मेरे पक्षकार के स्वामित्व की भूमि में कब्जा करने का प्रयास न करें और न ही आप मेरे पक्षकार के कब्जे में दखलंदाजी करे और न ही आप या अन्य कोई भी व्यक्ति मेरे पक्षकार की उपरोक्त भूमि को किसी अन्य को विक्रय करे, विक्रय करने का करार करें और न ही अन्य किसी भी प्रकार हस्तांतरित करें। इस आम सूचना बावजूद भी यदि आप विवेक चौकसे के द्वारा मेरे पक्षकार के स्वामित्व की भूमि में कब्जा करने का प्रयास किया जाता है या उक्त भूमि को आपके द्वारा किसी अन्य विक्रय या हस्तांतरित किया जाता है या कोई भी व्यक्ति आप विवेक चौकसे से उक्त भूमि का किसी भी प्रकार से क्रय-विक्रय करता है, तो उक्त विक्रयपत्र, करार या किसी भी प्रकार के हस्तांतरण विलेख अवैध एवं शून्य माने जावेगें, और मेरा पक्षकार आप विवेक चौकसे के एवं संबंधित संबंधितों के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही करेगा, जिसके लिये आप विवेक चौकसे एवं संबंधित व्यक्ति जबाबदार होवेगें ।

दिनांक - 26.06.2025

लाल साहब पटैल (एडव्होकेट)
कार्यालय-
बजरंगवार्ड कंदेली नरसिंहपुर म.प्र.
मो.नं. 9425469019